॥ दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी अखियां प्यासी रे भजन ॥

Chalisamantras.com

दर्शन दो घनश्याम नाथ,
मोरी अखियां प्यासी रे,
मन मंदिर की जोत जगा दो,
घाट घाट वासी रे ।

मंदिर मंदिर मूरत तेरी,
फिर भी न दीखे सूरत तेरी,
युग बीते ना आई मिलन की,
पूरनमासी रे ।
दर्शन दो घनश्याम नाथ,
मोरी अखियां प्यासी रे ।

द्वार दया का जब तू खोले,
पंचम सुर में गूंगा बोले,
अंधा देखे लंगड़ा चल कर,
पहुंचे काशी रे ।

पानी पी कर प्यास बुझाऊँ,
नैनन को कैसे समजाऊँ,
आँख मिचौली छोड़ो अब तो,
मन के वासी रे ।
दर्शन दो घनश्याम नाथ,
मोरी अखियां प्यासी रे ।

निर्बल के बल धन निर्धन के,
तुम रखवाले भक्त जनों के,

Chalisamantras.com

तेरे भजन में सब सुख पाऊं,
मिटे उदासी रे ।

नाम जपे पर तुझे ना जाने,
उनको भी तू अपना माने,
तेरी दया का अंत नहीं है,
हे दुःख नाशी रे ।
दर्शन दो घनश्याम नाथ,
मोरी अखियां प्यासी रे ।

आज फैसला तेरे द्वार पर,
मेरी जीत है तेरी हार पर,
हर जीत है तेरी मैं तो,
चरण उपासी रे ।

द्वार खडा कब से मतवाला,
मांगे तुम से हार तुम्हारी,
नरसी की ये बिनती सुनलो,
भक्त विलासी रे ।
दर्शन दो घनश्याम नाथ,
मोरी अखियां प्यासी रे ।

लाज ना लुट जाए प्रभु तेरी,
नाथ करो ना दया में देरी,
तिन लोक छोड़ कर आओ,
गंगा निवासी रे ।

दर्शन दो घनश्याम नाथ,
मोरी अखियां प्यासी रे,

Chalisamantras.com

मन मंदिर की जोत जगा दो,
घाट घाट वासी रे ।

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com